प्रेस विज्ञप्ति

# गो.ब. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर, जिला– ऊध
# ामसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय में चल रहे 6–दिवसीय विद्यार्थी इंडक्शन कार्यक्रम का समापन

पंतनगर। 24 जुलाई 2022। विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय के नव प्रवेशित एमबीए विद्यार्थियों का 6–दिवसीय विद्यार्थी इंडक्शन कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. आर.एस. जादौन ने विद्यार्थी इंडक्शन कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुसंधान इकाइयों एवं कृषि केंद्रों के साथ नव प्रवेशित विद्यार्थियों को मूल्य आधारित शिक्षा की ओर उन्मुख करना है।

कार्यक्रम में कुलपति, डा. ए.के. शुक्ला ने आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन एवं किसान उपज के विपणन की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में नीति निर्माताओं के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों के बारे में बताया जिससे किसानों की आय को दोगुना किया जा सके।

पूर्व अध्यक्ष, उत्तराखण्ड वन विकास निगम, डा. सुरेश परिहार ने विद्यार्थियों को भारत के गरीब किसानों के विकास के लिए अपने कृषि व्यवसाय और प्रबंधकीय कौशल का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। निदेशक, शीत जल मत्स्य अनुसंधान निदेशालय, भीमताल, डा. प्रमोद कुमार पांडे ने अपने संबोधन में बताया कि भारतीय हिमालयी राज्यों में ग्रामीण उद्यमियों के लिए मछली पालन के माध्यम से आजीविका के अवसर कैसे प्राप्त किया जाए तथा विद्यार्थियों ने मछली उत्पादन, संरक्षण और पर्यावरण पर्यटन के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। संयुक्त निदेशक, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (मुक्तेश्वर), डा. अशोक कुमार मोहंती ने भारत के सामाजिक–आर्थिक जीवन में पशुधन की भूमिका, उद्यमिता एवं आय वृद्धि के लिए व्यावसायिक अवसरों के बारे में बताया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, नियंत्रक एवं कुलसचिव द्वारा एमबीए विद्यार्थियों को संबोधित किया गया तथा विश्वविद्यालय के नियमों और विनियमों, बुनियादी सुविधाओं, कैरियर की प्रगति व समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए अद्भुत अवसरों के बारे में बताया। नव–प्रवेशित विद्यार्थियों द्वारा कुक्कुट अनुसंधान केंद्र, एकीकृत डेयरी फार्म, मछली हैचरी एवं कृषि केंद्र, मशरूम, फसल, फूलों की खेती, सब्जी एवं बागवानी अनुसंधान केंद्रों सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण किया गया। उन्होंने वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की, आपूर्ति श्रृंखला में विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की और व्यावहारिक कौशल सीखा।

कार्यक्रम में श्री नैनवाल ने अपने जीवन के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने प्लेसमेंट, एमबीए एग्रीबिजनेस, कॉरपोरेट सेक्टर की नौकरियों से संबंधित सवालों का समाधान बताया। उन्होंने कहा कि हमें पहले दिन से ही यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि हम अपने जीवन से क्या चाहते हैं। सीखना सबसे महत्वपूर्ण चीज है जिसे हमें हमेशा अपने साथ रखना चाहिए। प्रत्येक संगठन की कार्य संरचना के बारे में हमारा मार्गदर्शन अलग है। भविष्य में कीटनाशक उद्योगों का अस्तित्व (जैसा कि यह दिन–ब–दिन बढ़ रहा है) और सरकार द्वारा कई कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है जो बहुत हानिकारक होते हैं। उपाध्यक्ष, डीएससीएल, श्री दिनकर जोशी, ने एमबीए (एग्रीबिजनेस) में सफल पाठ्यक्रम करने के लिए संचार कौशल मजबूत होना चाहिए, इंटरएक्टिव बनें, टीम बिल्डर बनें, मौलिक स्पष्ट होना चाहिए, बुनियादी हमेशा समान होना चाहिए। विकास के लिए ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, दूसरों पर निर्भर न रहें। बस अपने आप बढ़ाओ। कार्य संस्कृति हमेशा एक जैसी रहती है। केवल प्रौद्योगिकी उन्नयन होता है। श्री राजेश शुक्ला ने उत्तराखंड के छोटे और सीमांत किसानों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों, फसल विविधीकरण की तत्काल आवश्यकता, किसानों की आय बढ़ाने के लिए खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को सुव्यवस्थित करने के बारे में बताया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कैसे नवोदित प्रबंधकों द्वारा पेशेवर प्रबंधन के हस्तक्षेप से आय असमानताओं को कम करना चाहिए और ग्रामीण भारतीयों के सामाजिक–आर्थिक विकास की ओर अग्रसर होना चाहिए।

प्राध्यापक, डा. मुकेश पांडे, ने बताया कि कैसे छात्र वास्तविक परियोजनाओं और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से मूल्यवर्धन प्राप्त कर सकते हैं। इस 6–दिवसीय विद्यार्थी इडंक्शन कार्यक्रम की संयोजक, डा. रतिका भट्ट ने सभी विद्यार्थियों, विशेषज्ञों एवं विशिष्ट संकाय सदस्यों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में डा. एन.के. सिंह, डा. जयंत गौतम एवं डा. स्नेहा दोहरे सहित महाविद्यालय के संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

*नव प्रवेशित एमबीए विद्यार्थियों के साथ अतिथिगण एवं अन्य।*